राज-समाज मिलकर बचाएं नदियां

रमन मेगसेसे अवार्ड विजेता राजेंद्र सिंह ने प्रो. धूमल को सौंपी 'नदी नीति'

देवेंद्र हेटा, शिमला

हिमाचल को भविष्य में विनाश से बचाने के लिए नदियों का संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। रमन मेगासेसे पुरस्कार विजेता एवं 'वाटर मैन आफ इंडिया' राजेंद्र सिंह ने प्रदेश की नदियों के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल को 'नदी नीति' सौंपी। 'वाटर मैन आफ इंडिया' ने नदी नीति में नदियों को अतिक्रमण, प्रदूषण, अत्यधिक दोहन, कटाव-जमाव से बचाने की वकालत की है। 'दिव्य हिमाचल' से विशेष बातचीत में राजेंद्र सिंह ने बताया कि नदी नीति में उन्होंने हिमाचल सरकार को पांच बड़े सुझाव दिए हैं। इनमें नदियों को पर्यावरणीय प्रवाह देने, नदियों को पुनर्जीवित करने, नदियों के किनारे कटाव-जमाव रोकने के लिए जल ग्रहण पद्धति से काम करने, बड़ी नदियों में गंदे नदी-नाले न मिलाने और हिमाचल की नदियों को और पानीदार एवं निर्मल/शुद्ध बनाने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल में नदियों को आजादी के बाद से बचाने के लिए राज्य सरकारों द्वारा कोई नीति नहीं बनाई गई है। इससे राज्यों में विवाद बढ़े हैं और देश की बड़ी-बड़ी नदियां जलस्तर घटने से नालों में तबदील होने लगी हैं। हिमाचल में अभी स्थिति इतनी गंभीर नहीं है। राज्य सरकार यदि समय रहते नदियों के संरक्षण को पहल करती है, तो निश्चित रूप से हिमाचल नदियों का संरक्षण करने वाला देश का पहला राज्य बना सकता है। उन्होंने कहा कि नदियों के संरक्षण के लिए पानी का खेतीबाड़ी व अन्य कामों के लिए अनुशासित होकर प्रयोग करना जरूरी है। नदियों में प्रदूषण बढ़ने से भविष्य में महामारी फैलेगी। इसके लिए उन्होंने नदियों व निकाय एरिया से बहने वाले गंदे पानी को बड़ी नदियों में न मिलाने की सलाह दी है। नदियों को बचाने के लिए उन्होंने राज और समाज दोनों को मिलकर काम करने का सुझाव दिया है। नदियों के साथ उन्होंने जल, जंगल और जमीन को भी बचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि लालच और विकास की अंधी दौड़ में लोग जमकर प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दौहन कर रहे है। उन्होंने राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को राज्य में रखने की सलाह दी है। इसके लिए उन्होंने बारिश की बूंद-बूंद को इकट्ठा करने को कहा है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश को सही मायनों में हरित राज्य बनाने पर बल दिया, ताकि यह राज्य और खुशहाल एवं प्रगतिशील बन सके।

घटते जलस्तर पर जताई चिंता

गंदे पानी से बचाने की सलाह

शिमला : होली-डे होम में सनातन विकास के लिए युवा संस्था के सौजन्य से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागी